नाम ..... अनुक्रमांक .....

वार्षिक परीक्षा—2024
हिन्दी
कक्षा—9

अ-IX-हिन्दी

समय : 3 : 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिये निर्धारित हैं।

नोट—(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न-पत्र दो खण्डों (अ) और (ब) में विभाजित हैं।

(iii) खण्ड (अ) में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न दिये गये हैं। जिनके उत्तर O.M.R. (आन्सर) शीट पर काले पेन से • चिन्ह द्वारा अंकित कीजिये।

(iv) खण्ड (ब) में 50 अंकों के वर्णनात्मक प्रश्न दिये गये हैं।

(v) सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख निर्दिष्ट हैं।

खण्ड (अ) बहुविकल्पीय प्रश्न

1. **हिन्दी गद्य के प्राचीनतम प्रयोग मिलते हैं—** 1
(A) राजस्थानी में (B) मैथिली में (C) बुन्देल खण्डी में (D) हरियाणवी में।

2. **द्विवेदी युग की प्रसिद्ध पत्रिका है—** 1
(A) हिन्दी प्रदीप (B) ब्राह्मण (C) सरस्वती (D) आनन्द-कादम्बिनी।

3. **प्रेमचन्द का उपन्यास नहीं है—** 1
(A) त्याग पत्र (B) गोदान (C) सेवासदन (D) रंगभूमि।

4. **'गुनाहों का देवता' के रचनाकार हैं—** 1
(A) धर्मवीर भारती (B) विष्णु प्रभाकर
(C) कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर' (D) हजारी प्रसाद द्विवेदी।

5. **दीपदान किस प्रकार की एकांकी है—** 1
(A) सामाजिक (B) पौराणिक (C) ऐतिहासिक (D) समस्यात्मक।

6. **वीर रस का स्थायी भाव होता है—** 1
(A) उत्साह (B) क्रोध (C) ग्लानि (D) भय।

7. **विनय पत्रिका के रचयिता/रचनाकार हैं—** 1
(A) तुलसीदास (B) अग्रदास (C) नाभादास (D) चतुर्भुजदास।

8. **उत्तर मध्यकाल को कहा जाता है—** 1
(A) आधुनिक काल (B) रासोकाल (C) भक्तिकाल (D) रीतिकाल।

9. **आदिकाल का ग्रन्थ नहीं है—** 1
(A) कीर्तिलता (B) बीसलदेव रासो (C) आल्हखण्ड (D) पदमावत।

10. **ज्ञानाश्रयी भक्तिशाखा के प्रतिनिधि कवि हैं—** 1
(A) तुलसीदास (B) सूरदास (C) बिहारी (D) कबीरदास।

11. **'हे खग-मृग हे मधुकर श्रेणी।**
तुम देखी सीता मृगनैनी॥

—इन पंक्तियों में कौन-सा रस है— 1
(A) करुण रस (B) अद्भुत रस (C) वियोग शृंगार (D) शान्त रस।

12. **चौपाई के प्रत्येक चरण के अन्त में होते हैं—** 1
(A) लघु-गुरु (B) लघु-लघु (C) गुरु-गुरु (D) गुरु-लघु।

13. **वर्णों की एक से अधिक आवृत्ति में अलंकार होता है—** 1
(A) यमक (B) अनुप्रास (C) श्लेष (D) उपमा।

14. **अशुद्ध शब्द है—** 1
(A) वरिष्ठ (B) कनिष्ठ (C) ज्येष्ठ (D) अभीष्ठ।

15. **'जेठ' शब्द का तत्सम शब्द है—** 1
(A) ज्येष्ठ (B) श्रेष्ठ (C) काष्ठ (D) कोष्ठ।

16. **पूर्ण विराम का प्रयोग होता है—** 1
(A) प्रश्न पूछने के लिये (B) सम्बोधन में
(C) वाक्य के बीच में (D) वाक्य की समाप्ति पर।

17. **'सौभाग्य' का तद्भव होता है—** 1
(A) सपना (B) सैकड़ा (C) सुहागा (D) सुहाग।

18. **'तथा + इति' में सन्धि होगी—** 1
(A) तथैति (B) तथोति (C) तथैति (D) तथोति।

19. **षष्ठी विभक्ति, बहुवचन में 'राम' का रूप होगा—** 1
(A) रामाणाम् (B) रामस्य (C) रामयोः (D) रामेषु।

20. **'भू' धातु लङ्लकार, मध्यम पुरुष, बहुवचन का रूप है—** 1
(A) अभवत् (B) भवथ (C) अभवत (D) गच्छेम।

खण्ड (ब) वर्णनात्मक प्रश्न

21. **दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिये—** 3×2=6

छोटा भाई रोता था और उसके रोने का तात्पर्य था कि मेरी मौत मुझे नीचे बुला रही है, यद्यपि वह शब्दों से न कहता था। वास्तव में मौत सजीव और नग्न रूप में कुएँ में बैठी थी, पर उस नग्न मौत से मुठभेड़ के लिए मुझे भी नग्न होना पड़ा। छोटा भाई भी नंगा हुआ। एक धोती मेरी, एक छोटे भाई की, एक चने खाली, दो कानों से बँधी हुई धोतियाँ-पाँच धोतियाँ और कुछ रस्सी मिलाकर कुएँ की गहराई के लिए काफी हुईं। हम लोगों ने धोतियों एक-दूसरी ने बाँधीं और खूब खींच-खींच कर आजमा लिया कि गाँठ कड़ी हैं या नहीं। अपनी ओर से कोई धोखे का काम नहीं रखा।

प्रश्न—(क) प्रस्तुत गद्यांश का सन्दर्भ लिखिये।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।
(ग) छोटे भाई के रोने का क्या अर्थ था।

अथवा

बिल्कुल टंगे गए हम लोग। कितना खिन्न था मैं। अनखाते हुए बस से उतरा कि जहाँ था वहाँ पत्थर की मूर्ति-सा स्तब्ध खड़ा रह गया। कितना अपार सौन्दर्य बिखरा था सामने की घाटी में। इस कौसानी की पर्वतमाला ने अपने आंचल में यह जो कत्यूर की रंग-बिरंगी घाटी छिपा रखी है, इसमें किन्नर और यक्ष ही तो वास करते होंगे। पचासों मील चौड़ी यह घाटी, हरे मखमली कालीनों जैसे खेत, सुन्दर

गेरू की शिलाएँ काटकर बने हुए लाल-लाल रास्ते, जिनके किनारे सफेद-सफेद पत्थरों की कतार और इधर-उधर से आकर आपस में उलझ जाने वाली बेलों की लड़ियों-सी नदियाँ। मन में बेसाख्ता यही आया कि इन बेलों की लड़ियों को उठाकर कलाई में लपेट लूँ, आँखों से लगा लूँ।

प्रश्न—(क) प्रस्तुत गद्यांश का सन्दर्भ लिखिये।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।
(ग) लेखक (खिन्न) नाराज क्यों था ?

22. **दिये गये पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये—** 3×2=6

बंसी मेरे नैनन में नंदलाल।
मोर मुकुट मकराकृत कुण्डल, अरूण, तिलक दिये भाल॥
मोहन मूरति साँवरि सूरति, नैना बने, बिसाल।
अधर-सुधा-रस मुरली, राजति, उर बैजंती-माल॥
छुद्र घंटिका कटि-तट सोभित, नुपूर सबद रसाल।
मीरा प्रभु संतन सुखदाई, भक्त बछल गोपाल॥

प्रश्न—(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिये।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।
(ग) उपर्युक्त पद्य में कौन सा अलंकार है।

अथवा

जिनके गीतों को पढ़ने से मिलती शान्ति,
जिनकी तानों के सुनने से मिलती भ्रान्ति,
छा जाती भूमण्डल पर यौवन की कान्ति,
जिनका टेकों पर टिकने से टिकती क्रान्ति!
मरण मधुर बन जाता है जैसे वरदान,
अधरों पर खिल जाती है मादक मुस्कान
नहीं देख सकते जग में अन्याय वितान,
प्राण उच्छ्वसित होते, होने को बलिदान!
जो घावों पर मरहम का कर देते काम!
उन सहदय हृदयों को मेरे कोटि प्रणाम।

प्रश्न—(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिये।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।
(ग) उपर्युक्त पद्य में कौन-सा अलंकार है?

23. **(क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिये—** 1+3=4

परमसिद्धोऽपि सः सिद्धीनां प्रदर्शनं नोचितम् अमन्यत्। एकदा केनचित् भक्तेन कस्यचित् एवं वर्णितं, "असौ महात्मा पादुकाभ्यां नदीं तरति, इति महतो विस्मस्य विषयः।" परमहंस, रामकृष्णः मन्दम् अहसत् अवदत् च "अस्याः सिद्धेः मूल्यं पणद्वयमात्रम्, पणद्वयेन नौक्या सामान्यो जनः नदीं तरति। अनया सिद्धया केवलं पणद्वयस्य लाभो भवति। किं प्रयोजनं एतादृश्याः सिद्धेः प्रदर्शनेन।"

अथवा

एकदा वनात् प्रत्यागत्य रामदासः स्वद्वारे उपविष्टं धर्मदासं दुर्बलं खिन्नं च दृष्ट्वा अपृच्छत् "मित्र धर्मदास! चिराद् दृष्टोऽसि। किं केनापि रोगेण ग्रस्तः, येन एवं दुर्बलः।" धर्मदासः प्रसन्नवदनं तम् अवदत् "मित्र! नाहं रुग्णः, परं क्षीणविभवः इदानीम् अन्य इव सम्जातः। इदमेव चिन्तयामि केनोपायेन, मन्त्रेण, तन्त्रेण वा सम्पन्नः भवेयम्। रामदासः तस्य दारिद्रयस्य कारणम् तस्यैव अकर्मण्यता इति विचार्य एवम् अकथयत् "मित्र!

(ख) निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिये— 1+3=4

(i) धर्मज्ञः सत्यसन्धश्च प्रजानां च हिते रतः।
यशस्वी ज्ञानसम्पन्नः शुचिर्वश्यः समाधिमान्॥

(ii) त्यज दुर्जनसंसर्गं भज साधु समागमम्।
कुरु पुण्यमहोरात्रं स्मरनित्यमनित्यता।

24. **'नये मेहमान' एकांकी के शीर्षक होने पर अपने विचार व्यक्त कीजिये।** 5

अथवा

व्यवहार एकांकी के उद्देश्य को संक्षेप में समझाइये।

25. **(क) निम्नलिखित में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना लिखिये—** 3+1=4
(i) पं० प्रताप नारायण मिश्र (ii) काका कालेलकर (iii) धर्मवीर भारती

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुये उनकी एक प्रमुख रचना लिखिये— 3+1=4
(i) कबीरदास (ii) रहीम दास (iii) जयशंकर प्रसाद

26. **अपनी पाठ्यपुस्तक से याद किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिये, जो इस प्रश्न-पत्र में न दिया गया हो।** 2

27. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिये—** 2+2=4
(i) मनुष्याणां भूषणं किम् अस्ति ? (ii) रामस्य के विशिष्टाः गुणाः आसन् ?
(iii) अन्धकारे कः वार्यताम् ? (iv) रामकृष्ण-सेवाश्रमः केन स्थापिता ?

28. **निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक अर्थ बताते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—** 2
(i) अक्ल पर पत्थर पड़ना (ii) घी के दिये जलाना
(iii) जिसकी लाठी उसकी भैंस (iv) अन्धों में काना राजा।

29. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये—** 2+2=4
(i) हे ईश्वर ! हमारी रक्षा करो। (ii) राममर्यादा पुरुषोत्तम थे।
(iii) विनय सदाचार से उत्पन्न होता है। (iv) मनुष्य को परिश्रम करना चाहिये।

30. **विद्यालय में खेलकूद की समुचित व्यवस्था के लिए अपने प्रधानाचार्य की जो एक प्रार्थना-पत्र लिखिये।** 5

अथवा

स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु अपने प्रधानाचार्य जी को एक प्रार्थना-पत्र लिखिये।